Dainik Jagran-New Delhi-20-02-2011

जरा सी गलती पर रद नहीं होगा एआइईईई का फॉर्म

परीक्षा की तैयारी

- सीबीएसई की इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा में आवेदक फॉर्म में कर सकते हैं संशोधन
- ऑनलाइन 'वांट टू चेंज' विकल्प के माध्यम से कर सकते हैं सुधार

नई दिल्ली, जागरण संवाददाता : सीबीएसई की इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा एआइईईई के आवेदन फॉर्म में अगर आपने मामूली गलतियां कर दी हैं तो घबराएं नहीं। उन गलतियों के लिए आपका आवेदन फॉर्म रद नहीं नहीं किया जाएगा। आवेदक ऑनलाइन 'वांट टू चेंज' विकल्प के माध्यम से सुधार कर सकते हैं। दरअसल आवेदन प्रक्रिया समाप्त होने के बाद बोर्ड के पास छात्रों के लगातार सवाल आ रहे हैं जिसमें छात्रों ने अपनी परेशानी का जिक्र किया है।

छात्रों को राहत देते हुए बोर्ड ने उनके सवालों के संबंध में एफएक्यू (फ्रीक्वेंटली आस्कड क्वेश्चन) जारी किए हैं। जिसमें उनके तमाम तरह के सवालों के जवाब दिए गए हैं। एआइईईई में आवेदन करने वाले छात्रों का सवाल है कि क्या फॉर्म में चार सेंटरों के नाम भरना अनिवार्य था? इस पर बोर्ड ने जवाब दिया है कि सेंटरों का नाम भरना अनिवार्य है अगर किसी ने सभी सेंटरों के सभी विकल्प नहीं भरे हैं तो अब बोर्ड उनके लिए सेंटर का निर्धारण करेगा। इसी तरह अगर किसी छात्र ने ऑवेदन फॉर्म में राष्ट्रीयता के कॉलम को नहीं भरा है तब भी फॉर्म रद नहीं किया जाएगा।

अगर किसी आवेदनकर्ता ने पासपोर्ट साइज फोटो बिना नाम व तिथि के लगा दी है या फोटो पर नाम व तिथि को हस्तलिखित रूप में लिख दिया है तब भी उनका फॉर्म मान्य होगा। अगर ब्लैक एंड व्हाइट फोटो के बजाय रंगीन फोटो चिपका दिया है, तो इस सूरत में भी उनका फॉर्म रद नहीं किया जाएगा। लिहाजा छात्रों को घबराने की जरूरत नहीं है। कैटेगरी कॉलम, शारीरिक विकलांग कॉलम, जन्मतिथि कॉलम को खाली छोड़ दिया है तो यह सभी कॉलम भरना अनिवार्य है।

अब इसके लिए आवेदनकर्ता एआइईईई की वेबसाइट पर जाकर फॉर्म वेरिफिकेशन कॉलम में अपनी पंजीकरण संख्या डालकर अपने ब्यौरे को चेक कर सकते हैं। अगर पूरी जानकारी सही है तो उन्हें नो चेंज के विकल्प को क्लिक करना होगा। यदि वह इसी तरह के छोटी-छोटी गलतियों को सुधारना चाहते हैं तो वॉन्ट टू चेंज विकल्प पर जाकर सुधार कर सकते हैं।